थर्डमिल संस्थान

भंडारीपन का बैज

मनुष्य हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे। फिर यहाँ भण्डारी में यह बात देखी जाती है कि वह विश्वासयोग्य हो।

1 कुरिन्थियों 4:1-2

भंडारीपन बाइबल के सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है, जिसमें भंडारीपन से संबंधित हजारों अनुच्छेद हैं। बाइबल का भंडारीपन का सिद्धांत मनुष्य के परमेश्वर के साथ के संबंध को परिभाषित करता है। यह परमेश्वर को स्वामी और मनुष्य को प्रबंधक के रूप में दर्शाता है। हमारे जीवन के सभी पहलुओं को संचालित करने के लिए परमेश्वर मनुष्य को अपना सहकर्मी या भंडारी बनाता है। जब से मनुष्य ने पहली बार पृथ्वी पर कदम रखा, तब से परमेश्वर ने हमें उसकी सृष्टि की देखभाल करने की जिम्मेदारी दी है। इस बैज में, हम यह खोजेंगे कि भक्तिपूर्ण भंडारी होने का क्या अर्थ है। हमारे ऊपर कई बातों के अच्छे भंडारी होने की जिम्मेदारी है - जैसे कि हमारा समय, हमारी प्रतिभाएँ, हमारी संपत्ति, परमेश्वर के मंदिर के रूप में हमारा शरीर, हमारी मंडलियाँ, हमारा धन। परमेश्वर के संपूर्ण राज्य का भंडारी होने में हममें से प्रत्येक की भूमिका है।

बैज घटक :

बाइबल-आधारित भंडारीपन - बाइबल भंडारीपन के बारे में हमें क्या सिखाती है?

अपने भंडारीपन की खोज करना - परमेश्वर कैसे हमें और अधिक विश्वासयोग्य भंडारी बनने के लिए बुला रहा है?

संस्कृति और भंडारीपन - स्थानीय संस्कृति और बाइबल-आधारित भंडारीपन में कहाँ टकराव होता है और हम इस अंतर को कैसे भर सकते हैं?

चर्चा के विषय :

1. भंडारीपन पर पवित्रशास्त्र के अपने अध्ययन से, उन विभिन्न बातों पर चर्चा करें जिनका भंडारी बनने के लिए परमेश्वर हमें बुलाता है। उन सब संभावित क्षेत्रों का वर्णन कीजिए जो परमेश्वर अपने राज्य में अपने अधीन देखभाल करने के लिए अपने स्वरूप में रचे हुओं को देता है।
2. पवित्रशास्त्र के भंडारीपन से संबंधित अपने अध्ययन से आपने जो कुछ सीखा है, उसमें से किसी नई बात पर चर्चा करें कि परमेश्वर हमसे किसका भंडारी बनने की आशा रखता है। आपको इस जिम्मेदारी के बारे में कैसा महसूस होता है?

3. मत्ती 25:14-30 पढ़ें। किसी ऐसे क्षेत्र के बारे में सोचें जहाँ आपने अच्छा प्रबंधन किया और आपको अधिक जिम्मेदारी दी गई। किसी ऐसे क्षेत्र के बारे में सोचें जहाँ डर ने आपको अच्छी तरह से प्रबंधन करने से रोका। उस दृष्टांत और जीवन के अनुभव पर चर्चा करें जहाँ आपने स्वयं को दृष्टांत में तोड़े दिए गए तीन लोगों में से एक से संबंधित पाया।
4. तीतुस 1:7 भंडारियों को निंदा से परे रहने के लिए कहता है। चर्चा करें कि व्यक्तिगत चरित्र किस प्रकार भंडारीपन से संबंधित है।
5. अपने समूह के साथ चर्चा करें कि परमेश्वर आपको कहाँ अधिक विश्वासयोग्य भंडारी बनने के लिए बुला रहा है। एक बेहतर भंडारी बनने की आपकी यात्रा में समूह के अन्य सदस्य आपकी कैसे सहायता कर सकते हैं?
6. मलाकी 3:10 परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के बारे में बताता है जब हम अपने दशमांश के प्रति विश्वासयोग्य रहते हैं। इस पद से संबंधित दशमांश देने के अपने अनुभव पर चर्चा करें।
7. लूका 14:28 हमें सिखाता है कि किसी काम को शुरू करने से पहले हमें यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि हमारे पास उसे पूरा करने के लिए संसाधन हैं। चर्चा करें कि आपने कहाँ इस सिद्धांत का पालन होते और उससे मिलनेवाली सफलता को देखा है, और कहाँ इसका पालन न होने पर असफलता आई है।
8. 1 कुरिन्थियों 6:20 हमारे शरीरों के भंडारीपन की बात करता है। कुछ ऐसे तरीकों पर चर्चा करें जिनमें परमेश्वर चाहता है कि हम अपने शरीरों के भंडारी बनें, कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए।
9. 1 इतिहास 29:11-12 में कहता है कि सब कुछ परमेश्वर की ओर से है। अपने जीवन के किसी ऐसे क्षेत्र पर चर्चा करें जहाँ आप कई बार परमेश्वर के सामर्थ्य के बजाय अपने बल पर निर्भर रहते हैं।
10. लैव्यव्यवस्था 23:3 सब्त के दिन के विषय में है। चर्चा करें कि सब्त के दिन पर आधारित बाइबल की शिक्षाएँ भंडारीपन से कैसे संबंधित हैं।
11. मत्ती 6:24 हमें सिखाता है कि हम दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकते। संस्कृति और भंडारीपन का अध्ययन करते समय, आप विश्वासियों को कहाँ दो स्वामियों के बीच फंसा हुआ देखते हैं? इसे कैसे संबोधित किया जा सकता है ताकि विश्वासी केवल परमेश्वर की सेवा करें?

कार्य करने की बुलाहट :

1. बाइबल में भंडारीपन के विषय पर दस अनुच्छेद खोजें। इन अनुच्छेदों में भंडारीपन के कई क्षेत्र प्रकट होने चाहिए, जैसे कि हमारे शरीरों का भंडारीपन, धन का भंडारीपन, हमारी मंडलियों का भंडारीपन, हमारे परिवार का भंडारीपन, तथा परमेश्वर के राज्य का भंडारीपन। जो अनुच्छेद आपको मिले हैं उन्हें लिख लें और उन पर मनन करें।

2. जीवन के उस क्षेत्र की समझ प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करें जिसमें परमेश्वर आपको बेहतर भंडारी बनने के लिए बुला रहा है। इस क्षेत्र में सुधार के लिए एक योजना को विकसित करें। योजना को लागू करने से पहले अपने प्रशिक्षक के साथ इसकी समीक्षा करें तथा योजना को लागू करने के एक महीने बाद फिर से इसकी समीक्षा करें।
3. जैसे कि आप बाइबल-आधारित भंडारीपन का अध्ययन कर चुके हैं, पहचानें कि कहाँ आपकी स्थानीय संस्कृति का ठोस बाइबल-आधारित भंडारीपन के साथ मतभेद है। बाइबल से ऐसी शिक्षाओं को पहचानें जिनका उपयोग दूसरों को सिखाने के लिए किया जा सकता है, जहाँ स्थानीय रीतियाँ परमेश्वर का आदर नहीं करतीं और उन्हें बदला जाना चाहिए। अपने प्रशिक्षक और/या समूह के साथ शिक्षण योजना को साझा करें, और फिर उसे अपनी कलीसिया के अन्य सदस्यों को सिखाएँ।

बैज मानदंड :

इस बैज को थर्डमिल इंस्टीट्यूट द्वारा बाइबल-आधारित अध्ययनों के सर्टिफिकेट के एक भाग के रूप में छात्र को तब दिया जाएगा जब वह ***कार्य करने की बुलाहट*** को इस रीति से सफलतापूर्वक पूरा कर लेगा, जो ***बैज घटकों*** के साथ ईमानदारी से मिलता हो और पूरे पाठ्यक्रम में ***चर्चा किए गए विषयों*** के अनुसार हो।